Annexure - 1.1

FLIPPED CLASSROOM

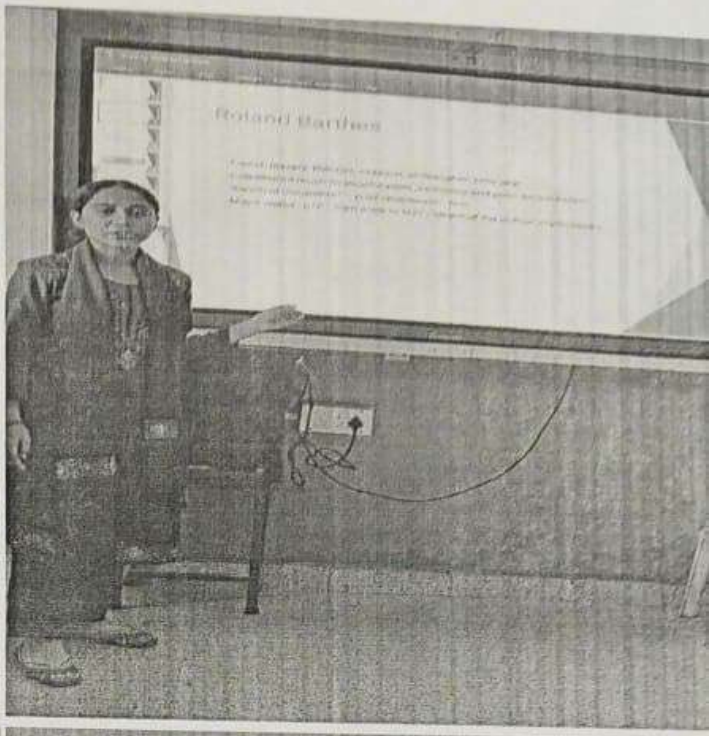

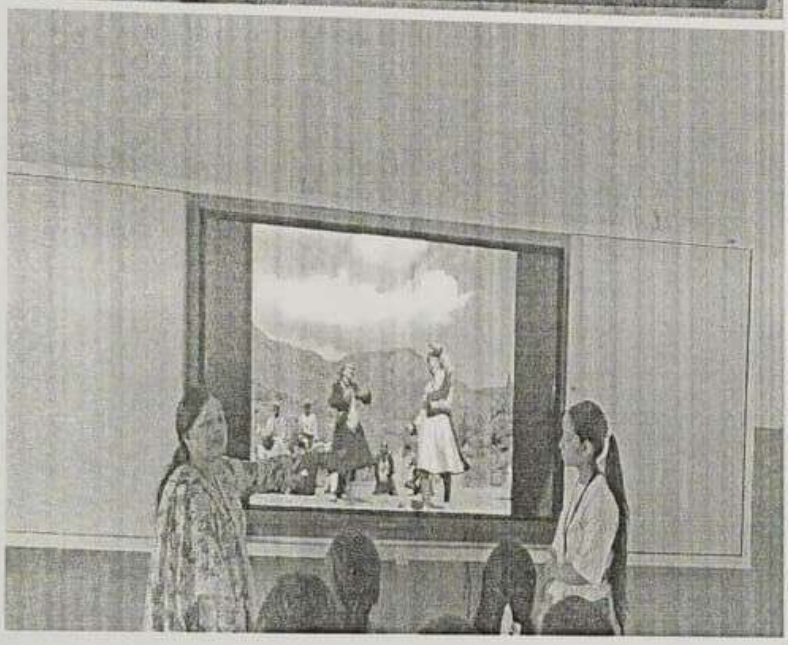

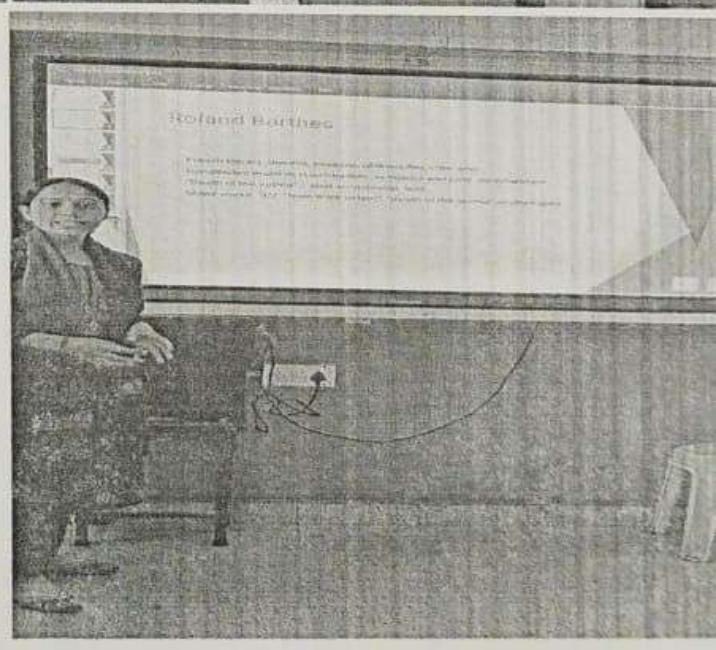

Annexure - I. I. iii

Bcom 2nd year 20...
Surender Sir Commerce K...

~ Busy added ~ Nitin. Tap to change member permissions

31 July 2024

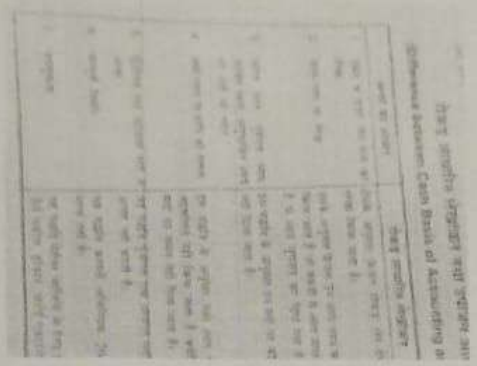

B Com. 3rd year...
Lakshay, Surender Sir Com...

12 August 2024

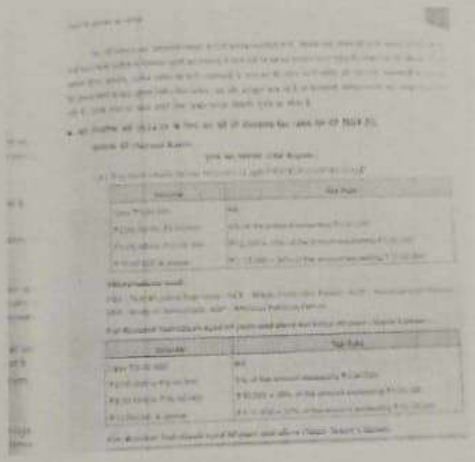

B Com. 3rd year...
Lakshay, Surender Sir Com...

3 September 2024

All the students come to examination hall

5 September 2024

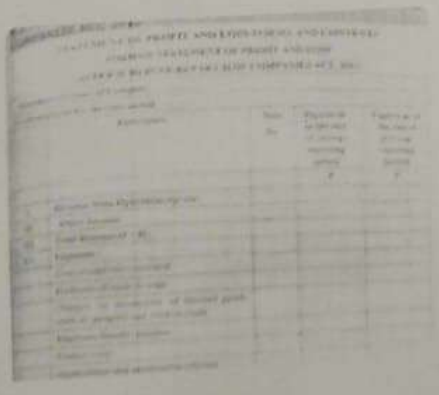

10:13 AM | 1.2KB/s

Bcom 2nd year 20...
Surender Sir Commerce K...

10 September 2024

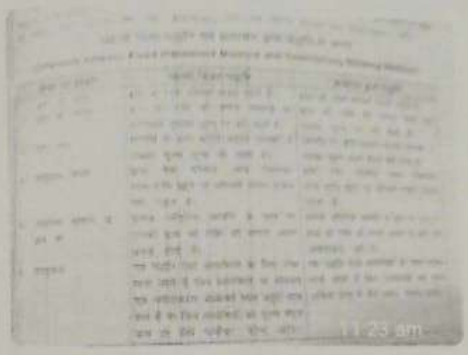

11 September 2024

B Com. 3rd year...
Lakshay, Surender Sir Com...

Lakshay Rana Bcom
Write shares Journal Entries in the notebook.

2 September 2024

[Profit on reissue of shares transfe
n 23.
mpany issued 40,000 equity share
On Application ₹ 10
On Allotment ₹ 20
On Final Call ₹ 25
m holding 70 shares did not pa
reissued to Raghav at ₹ 35 per s
ournal entries to record the abov

Kindly share to students group please

4 September 2024

6 September 2024

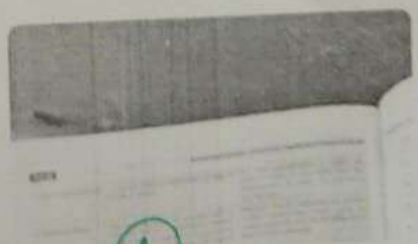

Govt. College
Distt. Kangra (H.P.)

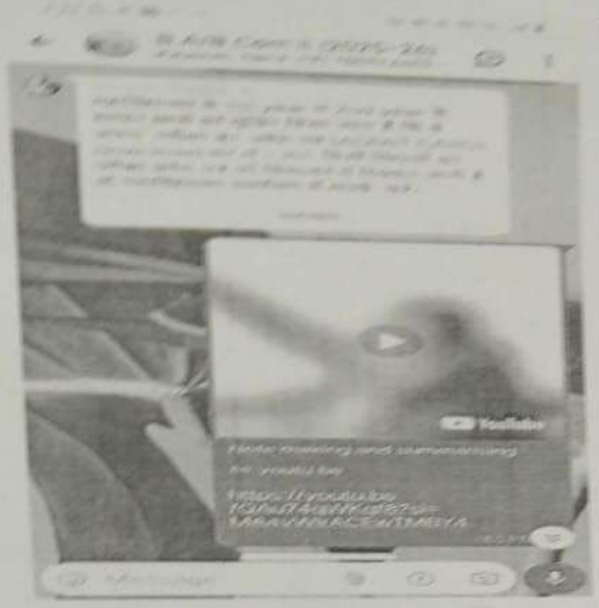

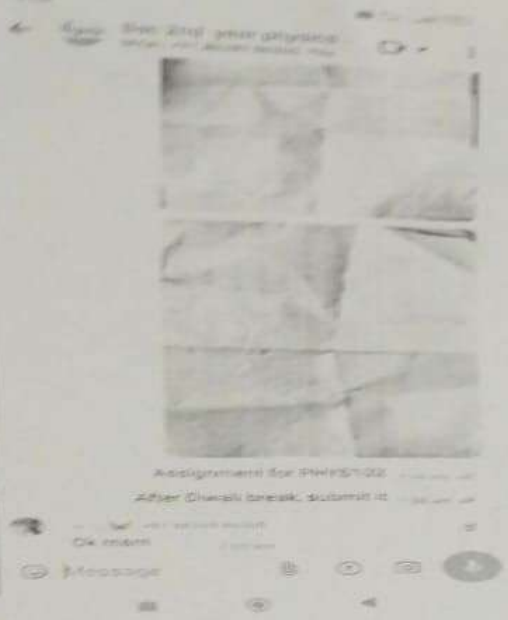

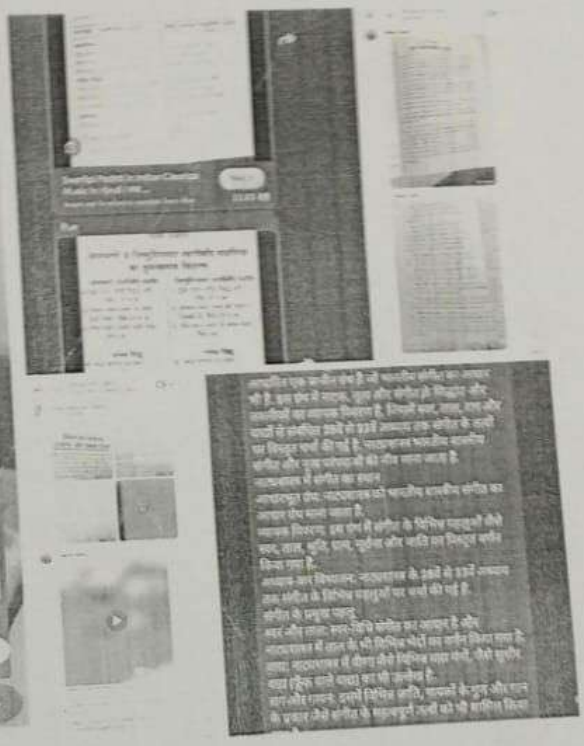

Principal
Govt. College Kishtwar
Distt. Kishtwar

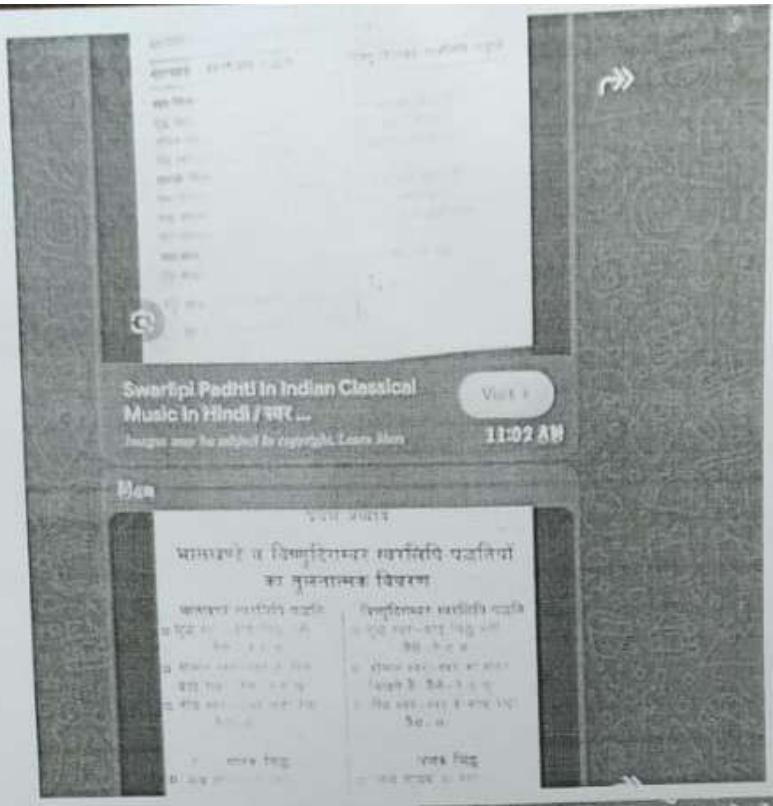

आधारित एक प्राचीन ग्रंथ है जो भारतीय संगीत का आधार भी है. इस ग्रंथ में नाटक, नृत्य और संगीत के सिद्धांत और तकनीकों का व्यापक विवरण है, जिसमें स्वर, ताल, राग और वाद्यों से संबंधित 28वें से 33वें अध्याय तक संगीत के तत्वों पर विस्तृत चर्चा की गई है. नाट्यशास्त्र भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य परंपराओं की नींव माना जाता है.

नाट्यशास्त्र में संगीत का स्थान

आधारभूत ग्रंथ: नाट्यशास्त्र को भारतीय शास्त्रीय संगीत का आधार ग्रंथ माना जाता है.

व्यापक विवरण: इस ग्रंथ में संगीत के विभिन्न पहलुओं जैसे स्वर, ताल, श्रुति, ग्राम, मूर्छना और जाति का विस्तृत वर्णन किया गया है.

अध्याय-वार विभाजन: नाट्यशास्त्र के 28वें से 33वें अध्याय तक संगीत के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई है.

संगीत के प्रमुख पहलू

स्वर और ताल: स्वर-विधि संगीत का आधार है और नाट्यशास्त्र में ताल के भी विभिन्न भेदों का वर्णन किया गया है.

वाद्य: नाट्यशास्त्र में वीणा जैसे विभिन्न वाद्य यंत्रों, जैसे सुशीर वाद्य (फूंक वाले वाद्य) का भी उल्लेख है.

राग और गायन: इसमें विभिन्न जाति, गायकों के गुण और गान के प्रकार जैसे संगीत के महत्वपूर्ण तत्वों को भी शामिल किया